अभ्यास: प्रश्न तथा उनके उत्तर

■ आइए फिर से याद करें :

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों को भरें :

(क) सोलहवीं सदी के आरम्भ में..... ने हिन्दुस्तान शब्द का प्रयोग किया ।

(ख) .....एक विशेष प्रकार का फारसी इतिहास है ।

(ग).....लोगों द्वारा भारत में एक नये धर्म का आगमन हुआ

(घ) भारत में कागज का प्रयोग..... शताब्दी के आस-पास हुआ ।

उत्तर- (क) बाबर; वस्तुतः सम्पूर्ण उपमहाद्वीप के लिए (ख) तारीख-उल- हिन्द, (ग) इन्हीं अरबों के साथ, (घ) तेरहवी

प्रश्न 2. जोड़े बनाइए : :

राजतरंगिनी	दरिया साहब
भक्ति संत	सासाराम
तबकात-ए-नासिरी	बैकटपुर का शिव मंदिर
शेरशाह का मकबरा	कश्मीर का इतिहास
मानसिंह	मिनहाज-उस-सिराज

उत्तर- राजतरंगिनी — कश्मीर का इतिहास

भक्ति संत — दरिया साहब

तबकात-ए-नासिरी — मिनहाज-उस-सिराज

शेरशाह का मकबरा — सासाराम

मानसिंह — बैकटपुर का शिव मंदिर

प्रश्न 3. मध्यकाल के वैसे वस्त्रों की सूची बनाइए, जिसका व्यवहार हम आज भी करते हैं।

Deepak kumar

उत्तर-मध्यकाल में सिले हुए वस्त्र बहुत कम लोग ही पहनते थे। कमर के नीचे धोती, कंधे से लेकर कमर के नीचे तक चादर तथा सर पर मुरेठा बांधने का रिवाज रहा होगा। आज भी उत्तर प्रदेश के अधिकांश ब्राह्मण सिला हुआ वस्त्र पहनकर भोजन नहीं करते। इसी से अनुमान लगता है कि मध्य युग के लोग सिला हुआ वस्त्र नहीं पहनते होंगे । उनके वस्त्रों में से धोती, चादर और मुरेठा का व्यवहार आज भी लोग करते हैं। सिला हुआ वस्त्र पहनने का रिवाज बहुत बाद में आरम्भ हुआ होगा ।

प्रश्न 4. वस्त्र उद्योग के क्षेत्र में हुए प्रमुख प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों को बताएँ ।

उत्तर- उत्तर प्राचीन भारत में वस्त्र उद्योग के लिए सूत तकली पर काते जाते थे, जिसमें काफी समय लगता था। कारण कि तकली को हाथ से नचाना पड़ता था। बाद में 13वीं सदी में परिवर्तन यह आया कि तकली का स्थान चरखे ने ले लिया। अब सूत तेजी से अधिक मात्रा में और कम समय में ही बन सकते थे । पहले सीधे कपास से सूत काता जाता था। बाद में इसमें बदलाव आया धुनिया लोग धनुकी पर रूई धुनने लगे । अब धुनी हुई रूई से सूत कातना आसान हो गया ।

प्रश्न 5. कागज का आविष्कार सर्वप्रथम कहाँ हुआ ?

उत्तर- कागज का आविष्कार सर्वप्रथम चीन में हुआ।

प्रश्न 6. वनवासियों को जंगल क्यों छोड़ना पड़ा ?

उत्तर- प्रौद्योगिकी में परिवर्तन के फलस्वरूप खेती योग्य भूमि की तलाश हो रही थी। बाहर से आये लोगों के लिये अधिक अन्न की भी आवश्यकता बढ़ी होगी। खेती बढ़ाने के लिए जंगल काटे जाने लगे । फलस्वरूप वनवासियों को जंगल छोड़ने पर विवश होना पड़ा हालाँकि अनेक वनवासी खेती के काम में लग गए और ग्रामवासी बन गये ।

प्रश्न 7. गंगा-यमुनी संस्कृति से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर- दो संस्कृतियों के मेल से जो संस्कृति विकसित हुई, उस संस्कृति को गंगा-यमुनी संस्कृति कहते हैं

प्रश्न 8. आठवीं शताब्दी के आस-पास हुए परिवर्तनों को लिखिए ।

Deepak Kumar

उत्तर-आठवीं शताब्दी के आस-पास पहला परिवर्तन तो देश के नाम बदलने के रूप में हुआ। अब 'भारत' को हिन्दुस्तान भी कहा जाने लगा। यह बदलाव 13वीं शताब्दी में तुर्क- सत्ता की स्थापना के बाद प्रचलित हुआ। उस समय हिन्दुस्तान की भौगोलिक सोमा उतनी ही थीं, जितनी पर तुर्कों का अधिकार था। मुगल काल में अकबर से लेकर 17वीं शताब्दी तक औरंगजेब ने हिन्दुस्तान की सीमा में काफी विस्तार किया। कृषि के साथ-साथ उद्योग-धंधों में भी बदलाव आए ।

प्रश्न 9. क्या प्राचीन काल की तुलना में मध्य काल के अध्ययन के लिये ज्यादा स्रोत उपलब्ध हैं ?

उत्तर- हाँ, प्राचीन काल की तुलना में मध्य काल के अध्ययन के लिए आज ज्यादा स्रोत उपलब्ध है। ये स्रोत अनेक लेखकों और इतिहासकारों द्वारा लिखे गये लेख और इतिहास हैं । सर्वप्रथम इतिहासकार मिन्हाज-ए-सिराज ने 13वीं शताब्दी में इतिहास लिखा, जिसमें उन्होंने बिहार के विषय में लिखा कि इसका नाम 'बिहार' क्यों पड़ा ? प्रसिद्ध विद्वान सैयद सुलेमान नदवी ने, एक अरबी गीत का उद्धरण दिया है, जो भारत के लिये प्रमुख है। भक्त कवियों और सूफी संतों ने भी भारत के सम्बंध में बहुत कुछ लिखा है। राजपूत राजाओं के दरबारी कवियों ने भी उस समय के सामाजिक जीवन के विषय में लिखा है। लिखित रचनाएँ या पाण्डुलिपियाँ, अभिलेख, सिक्के, भग्नावशेष, चित्र आदि विविध स्रोत हैं, लेकिन प्रधानता लिखित सामग्री को ही दी जाती है। 13वीं शताब्दी में कागज का उपयोग शुरू हो जाने के बाद लिखने का, काम व्यापक रूप से होने लगा । इस काल में लिखी गई पाण्डुलिपियाँ एवं प्रशासनिक प्रपत्र अभिलेखागारों और पुस्तकालयों में सुरक्षित है। इस काल की अनेक घटनाओं की जानकारी हमें इन्हीं अभिलेखों से प्राप्त होती । अन्य अभिलेख पत्थरों, चट्टानों और ताम्र पत्रों पर लिखे गये थे। बहुत से अभिलेख मन्दिरों और मस्जिदों और गाँवों में भी सुरक्षित हैं। कल्हण की राजतरंगिणी, अलबेरूनी की पुस्तक तहकीक-ए-हिन्द, मिन्हाज उससिराज कृत तबकात-ए-नासिरी, जियाउद्दीन बरनी की पुस्तक तवारीख-ए-फिरोजशाही । अबुल फजल ने अकबरनामा लिखा । इसके पहले बाबर ने बाबरनामा लिखा था । इनके अलावा अनेक यात्रियों ने अपने यात्रा वृत्तांत लिखा जो इतिहास से कम नहीं हैं । इससे स्पष्ट होता है कि प्राचीन काल की तुलना में मध्य काल के अध्ययन के लिये ज्यादा स्रोत उपलब्ध है ।

प्रश्न 10. जब एक ही व्यक्ति या घटना के सम्बंध में अलग-अलग मत आते हैं, तो ऐसी परिस्थितियों में इतिहासकार क्या करते होंगे ?

Deepak Kumar

उत्तर- प्रश्न में बताई गई परिस्थिति में इतिहासकार समान - विशेषता वाले बड़े-बड़े हिस्सों, युगों या कालों में बाँट देते हैं । फिर अनुमान से स्थिति का अवलोकन कर स्वयं जो वे उचित समझते हैं, लिख देते हैं ।

Deepak kumar